सफलता की कहानी –सरदार हरकेश सिंह मोहड़ी ग्राम पंचायत मोहड़ी के सरंपच

सरदार हरकेश सिंह मोहड़ी ग्राम पंचायत मोहड़ी के सरंपच है। यह गांव अम्बाला हिसार रोड पर मटेढी चौक से लगभग 6 कि0मी0 दूरी पर है। वर्श 2010–11 में हरियाणा सामुदायिक वानिकी मण्डल, अम्बाला मण्डल के वाटर लोग्ड (Water Logged) स्कीम के अन्तर्गत इस गांव को पौधारोपण हेतू लिया गया था। इस गांव में विभाग के काफी प्रयास उपरांत भी सरदार हरकेश मोहड़ी को छोड़कर अन्य कोई भी किसान इस स्कीम मे पौधे लगवाने के लिए राजी नही हुआ। अब इस प्रगतिशील किसान के प्रयासों से विभाग की इस स्कीम को इतना प्रोत्साहन मिला है कि अब लगभग पूरे क्षेत्र में ही जिसमें तेजां, मोहड़ी ,लखनौर साहिब ,उगाड़ा बाड़ा ,जलबेड़ा आदि गांव में विभाग के लगभग 650 हैक्टेयर पौधारोपण किसानों की खेतो की डोलों पर रिज बनाकर किया है जिससे न केवल इस क्षेत्र में वाटर लोग्ड की समस्या से भी काफी हद तक छुटकारा मिला बल्कि किसानों को कृशि की फसल के साथ साथ बेहतर आमदनी का साधन भी बना है ।

इस प्रगतिशील किसान के सहयोग से विभाग को स्टेट स्कीम की वाटर लोग्ड कम्पोनेंट में तथा अम्बाला जिले के नहर आधारित काडा स्कीम में क्षेत्र में वाटर लोगिंग (Water Logging) की समस्या का समाधान करने, किसानों का जीवन स्तर सुधारने तथा पर्यावरण में सुधार करने का मौका मिला है । इस किसान के मुताबिक पहले गांव से खेतो में वृक्ष न होने की वजह से हिसार अम्बाला रोड साफ दिखाई देता था अब इतने ज्यादा वृक्ष विभाग के सहयोग से लगवा दिये गये है कि दूसरे जमींदार की डोल देखना भी संभव नही है । यह किसान अन्य भी कई संस्थाओं से जुड़ा है जो किसानों को खेती के साथ साथ अन्य आमदनी के स्त्रोत बनाती है ।

<u>श्री हरकेश सिंह द्वारा पौधारोपण के बारे मे बताई गई कुछ महत्वपूर्ण बातें :–</u>

1. एक वर्ष बाद मैनें स्वंय पौधारोपण की देखभाल की और पौधों के साथ–साथ मैनें ज्वार, सब्जी व धान की फसल ऊगाई।
2. फसल के साथ–2 सफेदे के पौधे बड़े होते चले गए और वर्ष 2015–16 में मैनें सफेदे को बेचा जिससे मुझे 650000/– रू0 की राशि प्राप्त हुई।

3. फसल के अलावा मैनें सफेदा बेचकर काफी लाभ कमाया और प्राप्त राशि से प्रॉपर्टी खरीदी, मैं भविष्य में भी अपने खेतों में सफेदे का पौधारोपण करवाऊंगा ।

4. वन विभाग ने पौधारोपण पर लगभग 70000 रू0 की राशि खर्च की थी और मैनें पौधारोपण के बीच में फसल ऊगाकर भी लाभ प्राप्त किया।

सरदार हरकेश सिंह, फोन नं0 :– 7027027050 , 7015213861

सफलता की कहानी –2, श्री करमबीर सिंह पुत्र श्री जगीर सिंह ग्राम मलौर

श्री करमबीर सिंह पुत्र श्री जगीर सिंह ग्राम मलौर के रहने वाले हैं । यह गांव अम्बाला हिसार रोड पर मटेढी शेखां से नन्यौला रोड पर लगभग 10 कि0मी0 दूरी पर है । वर्श 2012–13 में हरियाणा सामुदायिक वानिकी मण्डल, अम्बाला मण्डल के FF-Clone स्कीम के अन्तर्गत इस गांव को पौधारोपण हेतू लिया गया था । इस किसान के मुताबिक पहले गांव से खेतो में वृक्ष काफी कम लगाये जाते थे परन्तु अब किसानों ने कृषि के साथ साथ पौधारोपण मे भी रूचि लगातार बढ रही है जिससे आने वाले समय मे किसानों की आर्थिक स्थिति के साथ साथ पर्यावरण मे भी काफी सुधार होने की संभावना है ।

श्री करमबीर सिंह द्वारा पोधारोपण की देखभाल के साथ बरसीम, सरसों की फसल भी ली गई है। किसान द्वारा वर्ष 2015–16 में सफेदा बेचकर 21 लाख रू0 की राशि प्राप्त की गई। फसल के ईलावा श्री करमबीर सिंह ने सफेदा बेचकर काफी लाभ कमाया और प्राप्त राशि से टयूबवैल बोरिंग मशीन खरीदी ।

श्री करमबीर सिंह फोन नं0 9466327422

सफलता की कहानी – श्री सरनजीत सिंह पुत्र श्री सुरजीत सिंह ग्राम रतौर

श्री सरनजीत सिंह पुत्र श्री सुरजीत सिंह ग्राम रतौर के रहने वाले हैं । यह गांव शहजादपुर से नारायणगढ रोड पर बडीबस्सी से लगभग 7 कि0मी0 दूरी पर है । वर्ष 2012–13 में हरियाणा सामुदायिक वानिकी मण्डल, अम्बाला मण्डल के FF-Clone स्कीम के अन्तर्गत इस गांव मे पौधारोपण करवाया गया था । इस किसान की काफी जमीन अनउपजाउ (बिरानी) पडी थी इस किसान के प्रयासों तथा विभाग के सहयोग से इस जमीन को पौधारोपण हेतू तैयार किया गया किसान की 14 एकड जमीन को विभाग द्वारा मई–2012 मे 9200 पौधे लगाकर 9.2 है0 पौधारोपण का लक्ष्य प्राप्त किया गया था।

श्री सरनजीत सिंह का स्वर्गवास हो चुका है उनके परिवार से सम्पर्क करने पर द्वारा पौधारोपण के बारे मे बताई गई कुछ महत्वपूर्ण बातें :–

- एक वर्ष बाद उन्होने स्वंय पौधारोपण की देखभाल की और पौधों के साथ–साथ गेहूं, बरसीम तथा सरसों की फसल ऊगाई।
- फसल के साथ–2 वर्ष 2015–16 में परिवार द्वारा सफेदे को बेचा जिससे 2700000/– रू0 की राशि प्राप्त हुई जोकि 3 साल बाद 192000/– प्रति एकड की आमदनी है ।
- फसल के ईलावा सफेदा बेचकर काफी लाभ कमाया और प्राप्त राशि से अन्य एक और टयूबवैल बोरिंग मशीन खरीदी तथा बिरानी पडी अन्य जमीन को भी जोतकर पौधारोपण एवम् फसल हेतू तैयार किया गया जिससे परिवार की आय का अन्य स्रोत खुल गया ।

फोन नं0 9896106145, 9314253987